सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 300 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 7 दिसम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

यदि हम अपने काम में लगे रहें तो हम जो चाहें वो कर सकते हैं।

-हेलेन केलर

यूपी की प्रगति का दस्तावेज होगा... 2 | पश्चिमी यूपी में प्रियंका की राह... 3 | ओमिक्रॉन से निपटने को प्लान तैयार... 7

मेरठ से परिवर्तन का शंखनाद

अखिलेश बोले, डूब जाएगा भाजपा का सूरज

सपा-रालोद की परिवर्तन संदेश रैली में उमड़ा जनसैलाब

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने गठबंधन का किया ऐलान

» जनता से की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश का सियासी माहौल बेहद गर्म हो चुका है। भाजपा को प्रदेश से हटाने का संकल्प लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। वे गठबंधन साथियों के साथ चुनावी शंखनाद कर चुके हैं। इसी क्रम में आज मेरठ में आयोजित रालोद-सपा की संयुक्त रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद मुखिया जयंत चौधरी ने एक साथ मंच साझा किया और गठबंधन का ऐलान किया। उन्होंने जनता से भाजपा को प्रदेश की सत्ता से उखाड़ फेंकने की अपील की।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इसके पहले जब सपा ने गठबंधन किया था तभी साफ हो गया था कि उत्तर प्रदेश में भाजपा का सफाया होगा लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आए जनसैलाब को देखकर लग रहा है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा का सूरज डूब जाएगा। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। उन्होंने मंच से नारा दिया, किसानों का इंकलाब होगा। बाइस में बदलाव होगा।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

शहीद किसानों की स्मृति में बनाएंगे स्मारकः जयंत

रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा कि मेरठ क्रांति की धरती है। जब भी देश के सामने चुनौतियां आयी यहां के लोगों ने उसका मुकाबला किया। किसानों का अपमान हुआ लेकिन किसी भी भाजपा नेता ने एक शब्द भी नहीं कहा। योगी जी से सरकारी काम नहीं हो रहा है। किसानों ने प्रधानमंत्री को झुकाने का काम किया है। लखीमपुर में किसानों को रौंदा गया। सपा और रालोद का गठबंधन हो गया है। हमारी सरकार बनने पर मेरठ में किसानों की स्मृति में स्मारक बनाया जाएगा।

सांसदों के निलंबन पर सत्ता-विपक्ष में घमासान जारी, सदन में हंगामा

» निलंबित सांसदों ने ठुकरायी माफी की मांग, किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी पार्टियों के बारह सांसदों के निलंबन का मुद्दा शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्षी दलों ने निलंबन वापस लिए जाने की मांग को लेकर आज फिर राज्य सभा में हंगामा किया। लिहाजा सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि अगर सांसद माफी मांगे तो उनके निलंबन वापसी पर विचार किया जा सकता है।

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि जो कुछ संसद में हुआ, उसे पूरे देश ने देखा है। सब कुछ ऑन रिकॉर्ड है। अगर वे आज भी माफी मांगते हैं, तो हम निलंबन वापस ले लेंगे। हालांकि विपक्ष इस मांग को पहले ही ठुकरा चुका है। वहीं संसदों ने आज भी प्रदर्शन किया।

मेरे पास मृत किसानों के नाम, उन्हें हक मिलेः राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि किसान आंदोलन में करीब 700 किसानों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री ने किसानों और देश से माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि उनसे गलती हुई है। इसके बाद भी आपकी सरकार कहती है कि उनके पास मृत किसानों का कोई आंकड़ा नहीं है। पंजाब सरकार ने लगभग 400 किसानों के परिजनों को पांच लाख रुपये मुआवजा दिया है। आपकी सरकार कहती है कि आपके पास उनके नाम नहीं हैं, लेकिन हमारे पास सभी के नाम उपलब्ध हैं।

पिछली सरकारों में खाद के लिए किसानों को खानी पड़ती थी लाठी-गोलीः पीएम मोदी

» गोरखपुर में खाद कारखाने और एम्स का किया उद्घाटन, विपक्ष पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा पूर्वांचल को साधने में जुट गयी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोर्चा संभाल लिया है। वे लगातार पूर्वांचल का दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में पीएम मोदी आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर पहुंचे और 9650 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया। पीएम ने खाद कारखाना, एम्स और क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र का लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में डबल रफ्तार से काम होता है। यह नया भारत है और नया भारत जब ठान लेता है तो वह काम पूरा करके रहता है। पिछली सरकारों में खाद कारखाने बंद पड़ थे। विदेशों से खाद आयात की जाती थी। किसानों को खाद के लिए लाठी-गोली खानी पड़ती थी। भाजपा सरकार में यूरिया का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। यह कारखाना किसानों को लाभ देगा ही पूर्वांचल में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

गौरतलब है कि 30 से अधिक वर्षों से बंद पड़े कारखाने को 8,600 करोड़ की लागत से पुनर्जीवित किया गया है। गोरखपुर संयंत्र प्रति वर्ष 12.7 लाख मीट्रिक टन स्वदेशी नीम लेपित यूरिया उत्पादन उपलब्ध कराएगा। इससे पूर्वांचल और आसपास के क्षेत्रों के किसानों को मदद मिलेगी। वहीं गोरखपुर में एम्स न केवल उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के जिलों बल्कि पड़ोसी बिहार और नेपाल के लोगों को भी स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराएगा। एम्स को 1,000 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है।

विकास भाजपा की सरकार में ही संभव : स्वतंत्र देव सिंह

» राष्ट्रवाद, विकास के मुद्दे पर जनता के बीच जाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी और प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ हर वर्ग का विकास करने में जुटे हैं। सूबे में अपराध नियंत्रण में हैं और अपराधी जेल में हैं। अयोध्या में राम मंदिर बन रहा है, तो गांव-गांव सड़कों का जाल बन रहा है। राष्ट्रवाद, विकास के मुद्दे के साथ हम जनता के बीच जाएंगे और जिन्नवादियों को ठीक करेंगे।

सामाजिक न्याय नवलोक पार्टी का 17 नवंबर को भाजपा से गठबंधन के बाद प्रदेशभर में समर्थन जुटाने के लिए नवलोक क्रांति संकल्प महासम्मेलन संयुक्त जनसभा का आयोजन हो रहा है। कलाल खेरिया में आयोजित जनसभा में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा विपक्ष जनता को गुमराह करने का काम कर रहा है, लेकिन वह समझ चुकी है। उसे पता है कि विकास भाजपा की सरकार में ही संभव है। नवलोक पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक डा. लेखराज सिंह ने कहा कि कई प्रकार के अधिकार हमसे दूर हैं, जिसके लिए हमें संघर्ष करना और संगठित रहना होगा। समाज के शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विकास के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

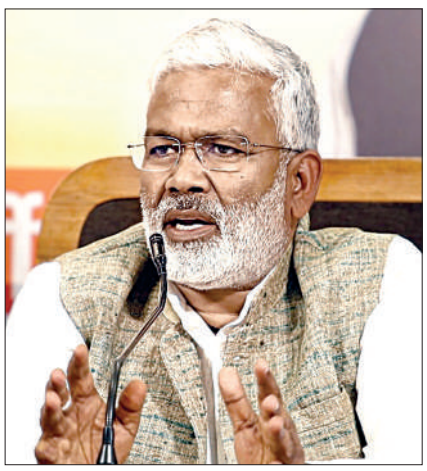

मालिक के इशारे पर बोल रहा तोता : राजभर

यूपी में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहा है, नेताओं और पार्टियों के बीच आरोपों का वार-पलटवार बढ़ने लगा है। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के टोपी वाले बयान पर अब राजभर ने तंज कसते हुए कहा है कि मालिक के इशारे पर तोता बोल रहा है। दरअसल एक कार्यक्रम में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था कि योगी राज में लुंगीवाले और टोपीवाले गुंडों के दिन चले गए। उनके इस बयान को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा- देखिए एक तोता होता है, पाला जाता है, मालिक पालता है तो उसको थोड़ा चारा देता है, खिलाता है खट्टा-मिट्ठा जो वो खाता है तोता। उसके बाद वो मालिक के इशारे पर बोलता है। उसको ये समझ में नहीं आता है कि हम खाली सीताराम-सीताराम रट रहे हैं।

यूपी में फिर भाजपा की बहुमत वाली बनेगी सरकार : उमा भारती

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की तेजतर्रार नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने आगामी चुनावों के उपरांत यूपी में सत्ता परिवर्तन की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया है कि राज्य में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। महोबा में भाजपा नेता उमा ने कहा कि यूपी बदल गया है, यहां अब पहले जैसी स्थितियां नहीं रहीं। 2017 में यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मोदी सरकार के महज तीन साल के कार्यों के सहारे जनता का विश्वास हासिल किया था, लेकिन इस बार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार द्वारा

हासिल की गई उपलब्धियां सूबे में पार्टी की पुनर्वापसी कराएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने यहां विकास कार्यों में नया कीर्तिमान स्थापित किया है तो गुंडागर्दी और अराजकता के माहौल को खत्म कर कानून का राज कायम किया गया है। महिलाएं सुरक्षा महसूस कर रही हैं, लोग भयमुक्त वातावरण में रह रहे हैं। यही वजह है कि आम आदमी का भाजपा पर भरोसा बढ़ा है। उमा ने दावा किया कि यूपी में किसी भी पार्टी के दूसरी बार सत्ता न पाने का मिथक न सिर्फ अबकी टूटेगा बल्कि भाजपा इस बार प्रदेश में पहले से अधिक सीटें हासिल करके सरकार बनाएगी, विरोधी दलों के यहां सत्ता पर काबिज होने के मंसूबे कतई पूरे नहीं होंगे। यूपी में भाजपा से सीधी लड़ाई में कोई भी दल नहीं है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा इस बार यूपी में विधानसभा की कुल 403 में से 400 सीटें जीतने के दावों को उन्होंने हंसी में लेते हुए कहा कि अखिलेश दिन में सपने देखना बंद करें।

यूपी की प्रगति का दस्तावेज होगा कांग्रेस का घोषणा पत्र : प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने घोषणा पत्र कमेटी और कैंपेन कमेटी के साथ लखनऊ में बैठक कर विधानसभा चुनावों की तैयारी की चर्चा की। बैठक में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री, मीडिया प्रभारी नसीमुद्दीन सिद्दकी और विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

बैठक में जनता की राय से तैयार किए घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रियंका ने बताया कि उप्र कांग्रेस के घोषणा पत्र में युवाओं, किसानों, महिलाओं, व्यापारियों, वंचित वर्गों समेत सभी तबकों की आवाज को जगह दी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र उत्तर प्रदेश की प्रगति का रास्ता तैयार करने वाला दस्तावेज होगा। सूत्रों ने बताया कि बैठक में आगामी चुनाव के लिए घोषणा पत्र के अलावा टिकटों के बंटवारे समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की जा रही है।

जनता को हिंदू-मुसलमान में उलझा रही भाजपा : बंसल

अलीगढ़। कांग्रेस के भाजपा भगाओ-मंहगाई हटाओ, कार्यक्रम के तहत मौलाना आजाद नगर क्षेत्र में नुक्कड़ सभा हुई। स्थानीय लोगों ने मुख्य अतिथि हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी विवेक बंसल सभा को संबोधित करते हुए विवेक बंसल का जोरदार स्वागत किया। पूर्व विधायक विवेक बंसल ने कहा, इस समय भाजपा सरकार को महंगाई को कम करने के लिए प्रयास करने चाहिएं लेकिन, हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब भी कोई बयान देते हैं, इसमें हिंदू और मुसलमान का उल्लेख करना नहीं भूलते। विकास और नागरिकों की भलाई का मुद्दा भाजपा के एजेंडे से गायब है। जनता को हिंदू-मुसलमान में उलझा रही भाजपा।

विधायक विनय शंकर भाई सहित बसपा से निष्कासित

» पीएम मोदी के गोरखपुर आगमन से पहले की गई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्वी उत्तर प्रदेश विशेषकर गोरखपुर की राजनीति के मजबूत स्तंभ माने जाने वाले पंडित हरिशंकर तिवारी के परिवार को बहुजन समाज पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से पहले बड़ा झटका दिया है। पीएम मोदी के गोरखपुर आने से पहले बसपा ने पंडित हरिशंकर तिवारी के विधायक पुत्र विनय शंकर तिवारी, पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी तथा भांजे पूर्व विधान परिषद अध्यक्ष गणेश शंकर पाण्डेय को पार्टी से बाहर कर दिया है।

बहुजन समाज पार्टी के गोरखपुर के मुख्य सेक्टर प्रभारी सुधीर कुमार भारती ने इनके खिलाफ अनुशासनहीनता के आरोप में कार्रवाई की है। चिल्लूपार के विधायक विनय शंकर तिवारी, उनके भाई संत कबीर नगर पूर्व सांसद भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी और विधान परिषद के पूर्व सभापति गणेश शंकर पांडेय को निष्कासित कर दिया है।

बसपा के मुख्य सेक्टर प्रभारी गोरखपुर मंडल सुधीर भारती की तरफ से जारी निष्कासन पत्र में तीनों भाइयों पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाया गया है। सुधीर भारती ने बताया कि विगत कुछ दिनों से यह लोग पार्टी के किसी कार्यक्रम में न तो रुचि ले रहे थे न ही सम्मिलित हुए। बहुजन समाज पार्टी से निष्कासन के संबंध में पक्ष लेने के लिए विधायक विनय शंकर तिवारी सहित अन्य दोनों से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन किसी से भी बात नहीं हो सकी। चर्चा है कि विनय शंकर के साथ ही कुशल तिवारी और गणेश शंकर पाण्डेय समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। समाजवादी पार्टी विनय शंकर तिवारी को चल्लूपार विधानसभा चुनाव लड़ाने के साथ ही गणेश शंकर पाण्डेय को विधान परिषद चुनाव और भीष्म शंकर को 2024 में संत कबीर नगर से लोकसभा चुनाव लड़ा सकती है।

उपभोक्ताओं को समय पर उपलब्ध कराएं बिल : श्रीकांत

» लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा में अस्थाई कनेक्शन में मिली अनियमितताओं को देखते हुए ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने ऐसे सभी कनेक्शनों की जांच कराए जाने के साथ ही वितरण खंडों की टेक्निकल आडिट कराए जाने के भी निर्देश दिए हैं। उपभोक्ता सेवाओं में कमियों की मिल रही शिकायतों पर मंत्री ने अफसरों को हिदायत देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि ही हमारे लिए सर्वोपरि है। इसमें लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वीसी के जरिए सभी डिस्कॉम के कार्यकलापों की समीक्षा करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के हित

में सभी वितरण खंडों की टेक्निकल आडिट कराई जाए। डिवीजन की तकनीकी ऑडिट में डेटा क्लीनिंग आदि पर ठीक से काम हो। स्टाप बिलिंग जैसी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए डेटा ठीक किया जाए। मंत्री ने पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एम. देवराज को निर्देश दिए कि अस्थाई कनेक्शन देने में अनियमितताओं की मिल रही शिकायतों को देखते हुए उनकी जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें। ऐसे कनेक्शन नियमानुसार स्थाई किए जाएं। समय पर बिल न दिए जाने की शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए मंत्री ने कारपोरेशन अध्यक्ष को निर्देश दिए कि सही बिल-समय पर बिल उपभोक्ता को मिले ताकि समय से उसका भुगतान उपभोक्ता कर सकें। उन्होंने कहा उपभोक्ता हित में बिलिंग एजेंसियों से किए गए करार का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही पर एजेंसी व डिस्काम की जवाबदेही तय हो। मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही पर कार्रवाई की जाए और डिस्काम की भी जवाबदेही तय हो। अब 15 दिसंबर तक लागू एकमुश्त समाधान योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ता ले सकें। इसके लिए योजना का प्रचार-प्रसार किया जाए।

पीएम मोदी के दौरे के जवाब में देहरादून जाएंगे राहुल गांधी, कार्यकर्ताओं को देंगे जीत का मंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की 16 दिसंबर को देहरादून में प्रस्तावित रैली के लिए परेड ग्राउंड का चयन किया गया है। पार्टी की ओर से इसके लिए जिला प्रशासन से अनुमति के लिए आवेदन कर दिया गया है। इससे पूर्व स्थान चयन के लिए प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव सहित दूसरे नेताओं ने रेसकोर्स स्थित बन्नू स्कूल ग्राउंड का भी मुआयना किया। आखिर में परेड ग्राउंड का चयन किया गया। रैली को सफल बनाने के लिए रविवार को दिनभर पार्टी के शीर्ष नेताओं की बैठकों का दौर चलता रहा।

कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के जवाब में राहुल गांधी की रैली 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर देहरादून में

आयोजित करने जा रही है। बांग्लादेश निर्माण के दौरान युद्ध में भारत की पाकिस्तान पर ऐतिहासिक विजय दिवस की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित होने वाली इस रैली में पूर्व सैनिकों और शहीद सैनिकों के परिजनों को प्रियदर्शनी सैन्य सम्मान देकर सम्मानित किया जाएगा। राज्य में चुनाव से पहले राहुल का यह पहला दौरा होगा।

भाजपा जल्द शुरू करेगी विजय संकल्प रैली

आगामी चुनाव को लेकर भाजपा जल्द ही प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में जन आशीर्वाद यात्रा और विजय संकल्प रैली निकालेगी। इसके लिए पार्टी ने तैयारियां कर ली है। अगले सप्ताह देहरादून से इन यात्राओं का शुभारंभ किया जाएगा। यात्राओं के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों के लिए रथ रवाना किए जाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने बताया कि चुनाव के लिए पार्टी अगले सप्ताह से दो बड़े कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। इसकी तैयारियां हो चुकी हैं, जिसके तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में जन आशीर्वाद रैली और विजय संकल्प रैली निकाली जाएगी। इसके लिए 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए एक-एक यात्रा रथ तैयार किए जा रहे हैं। इन यात्राओं के दौरान चुनावी घोषणा पत्र पर लोगों के सुझाव भी लिए जाएंगे।

पश्चिमी यूपी में प्रियंका की राह पर बढ़ रही कांग्रेस

विधान सभा चुनाव के लिए महिलाओं ने शुरू की दावेदारी

» 121 सीटों पर तीन सौ से अधिक महिलाओं ने चुनाव लड़ने के लिए ठोका दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा के लड़की हूं लड़ सकती हूं, के स्लोगन के साथ महिलाएं भी सियासत में भाग्य आजमाने के लिए आगे आने लगी हैं। प्रियंका वाड्रा के 40 फीसदी टिकट महिलाओं को दिए जाने की घोषणा करने के बाद पश्चिमी यूपी की 121 विधानसभा सीटों पर तीन सौ से अधिक महिलाओं ने चुनाव लड़ने के लिए दावा ठोक दिया है। इससे चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी करने वाले पुराने कांग्रेसियों के चेहरों पर मायूसी है।

मुरादाबाद की छह विधान सभा सीटों पर 14 महिलाओं ने अब तक दावेदारी की है। जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद ने बताया कि महिलाओं में मुरादाबाद देहात सीट से कांग्रेस नेता महक वारसी और डॉ. शकील अहमद की पत्नी ने दावा किया है। बिलारी से कल्पना सिंह, ठाकुरद्वारा से वसीम चौधरी की पत्नी टिकट मांग रही हैं। कांठ से कांग्रेस नेता मास्टर जाहिद की बेटी और कुंदरकी से अहसान की बेटी ने टिकट के लिए दावेदारी की है। इनके अलावा भी कई महिलाएं टिकट मांग रही है। अमरोहा की मंडी धनौरा सीट से गीता देवी, हसनपुर सीट से कांग्रेस जिलाध्यक्ष की ओमकार कटारिया की पत्नी दीपा देवी टिकट की दावेदार हैं। नौगावां से कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी की पत्नी आभा चौधरी और पूर्व जिलाध्यक्ष सुखराज सिंह की पत्नी रेखा रानी ने टिकट मांगा है। अमरोहा शहर सीट से कांग्रेस नेता निगहत नकबी ने टिकट के लिए आवेदन किया है। संभल शहर सीट से सोभना सैम्युल, असमोली से भारती त्यागी, चन्दौसी से विमलेश ने आवेदन किया है। रामपुर में महिलाओं ने टिकट के लिए दावेदारी की है।

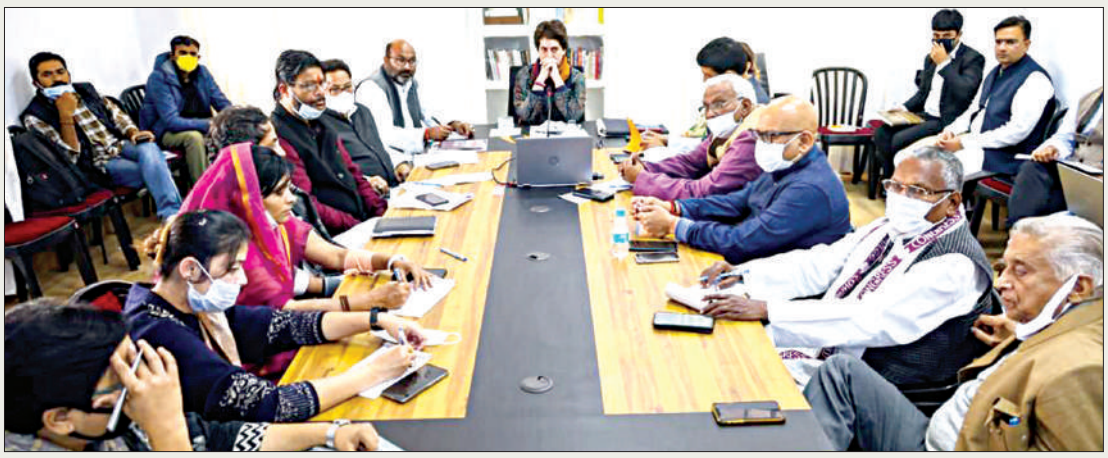

मंच पर स्थान नहीं मिलने से महिला नेता नाराज

मुरादाबाद में प्रियंका वाड्रा की प्रतिज्ञा रैली में युवा कांग्रेस से जुड़ी महिला नेता को मंच पर स्थान नहीं मिला। इसे लेकर महिला नेता ने जिलाध्यक्ष से नाराजगी जताई। कहा कि कांग्रेस महिलाओं के सम्मान की बात कर रही है। लेकिन, हमें मंच तक नहीं जाने दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरा नाम भी मंच पर जाने वालों की सूची में शामिल था लेकिन ऐन वक्त पर सूची को बदल दिया गया।

लगातार आ रहे हैं महिलाओं के आवेदन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विदित चौधरी का कहना है कि हमारी नेता की 40 फीसदी टिकट दिए जाने की घोषणा के बाद महिलाओं के लगातार आवेदन आ रहे हैं। पश्चिमी यूपी में ही अब तक 300 से अधिक महिलाओं ने टिकट के लिए आवेदन किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम ने बताया कि महिलाओं को 40 फीसदी टिकट दिए जाने हैं। पश्चिमी यूपी में प्रत्याशियों के स्क्रीनिंग का काम चल रहा है। सहारनपुर और मेरठ मंडल के प्रत्याशियों की स्क्रीनिंग हुई है। चुनाव लड़ने के योग्य महिलाओं को टिकट देकर मजबूती के साथ लड़ाया जाएगा।

जब प्रियंका ने मुरादाबाद से जोड़ा अपना भावनात्मक रिश्ता

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा के पति राबर्ट वाड्रा का परिवार मुरादाबाद का ही रहने वाला है। अभी भी उनके परिवार के कुछ लोग यहां रहते हैं। प्रियंका वाड्रा पहले भी दो बार मुरादाबाद आ चुकी हैं लेकिन बीते दिनों पश्चिमी यूपी में उनका पहला सियासी दौरा था। प्रियंका मंच पर जैसे ही बोलने के लिए खड़ी हुईं, उन्होंने सबसे पहले मंच पर बैठे लोगों के नाम लिए। कहा कि आप सबका मेरी ससुराल में बहुत-बहुत स्वागत है। ससुराल वालों आपसे माफी मांगती हूं, बहुत दिन बाद आई हूं। फिर लोगों से पूछा कि माफ किया कि नहीं। बंटवारे के बाद मेरे ससुर जी के पिता अपने परिवार को लेकर मुरादाबाद आए। यहीं से उन्होंने कारोबार शुरू किया। यहां के हुनर, यहां के लोगों की मदद से उन्होंने अपना जीवन बनाया और अपने बच्चों का भविष्य बनाया। आज मुझे यहां आकर बहुत गर्व हो रहा है।

बुंदेलखंड के किले को बचाने में जुटी भाजपा समीकरण कर रही दुरुस्त

सौगातों की कर रही बौछार, पिछली बार यहां की सभी सीटों पर किया था कब्जा

» सात साल से भाजपा का मजबूत गढ़ बना हुआ है बुंदेलखंड

» चुनाव में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं पार्टी के दिग्गज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा नेता प्रदेश में पूर्व से पश्चिम तक अपनी पैठ बनाने में जुटे हैं। वे हारी सीटों के साथ जीतीं सीटों पर भी जोर लगाए हुए हैं। यही वजह है कि बुंदेलखंड पर भाजपा की खास नजर है। यहां पिछले चुनाव में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया था और सभी सीटों पर भगवा फहरा दिया था। लिहाजा इस बार बुंदेलखंड को लेकर भाजपा के सामने सबसे अधिक चुनौती भी है।

वीर भूमि बुंदेलखंड की धरती पर राजनीति सियासी दलों के लिए हमेशा से बड़ी चुनौती रही है। यहां जनता का बदलता मिजाज किसी को भी झटका दे जाता है। यही कारण है कि केवल 19 विधान सभा सीटों वाले इस इलाके में अपनी जड़ें बनाए रखने के लिए भाजपा एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। 2022 के चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई चुनावी सौगातों के साथ यहां का कई बार दौरा कर चुके हैं। इसमें जलजीवन मिशन की महत्वाकांक्षी परियोजना से लेकर डिफेंस कॉरिडोर व बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के जरिए उद्योग बढ़ाने वाली योजनाओं को रफ्तार देना शामिल है। भाजपा यहां अपनी जीत को बरकरार रखने के लिए खास रणनीति बनाते हुए जातीय व क्षेत्रीय समीकरणों को भी दुरुस्त किया है। पिछले सात साल से पूरा बुंदेलखंड भाजपा का मजबूत गढ़ बना हुआ है।

2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा ने बुंदेलखंड की सभी 19 सीटें एक लाख से लेकर 15 हजार तक के अंतर से जीतीं हैं। लिहाजा इस बार भी सबसे ज्यादा चुनौती भाजपा के आमने होगी। गौरतलब है कि 2012 के विधान सभा चुनाव में सपा पांच, बसपा सात, कांग्रेस चार व भाजपा ने तीन सीटें जीती थीं। इसके बाद से दो लोक सभा व एक विधान सभा चुनाव में भाजपा का यहां डंका बजा है। यहां की जनता ने भाजपा को जमकर समर्थन दिया था।

कांग्रेस-बसपा भी सक्रिय

एक वक्त बसपा का मजबूत किला रहा बुंदेलखंड में अब पार्टी की धमक कमजोर हो चुकी है। हालांकि बसपा यहां प्रबुद्ध सम्मेलन कर अपनी सक्रियता बढ़ा रही है। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पिछले महीने ही चित्रकूट जाकर चुनावी अभियान चलाया।

सपा की भी नजर

समाजवादी पार्टी के लिए बुंदेलखंड हमेशा से चुनौतियों से भरा रहा है इसीलिए अखिलेश यादव ने यहां पूरा फोकस किया। उन्होंने अपनी विजय रथयात्रा का पहला चरण कानपुर-बुंदेलखंड में गुजारा और पांचवे चरण में भी वह अपनी रथ यात्रा लेकर इस इलाके में घूमते रहे। उन्होंने महिलाओं की पांच सौ रुपये वाली पेंशन तिगुनी करने का चुनावी वायदा भी किया। जब सपा ने 2012 में 224 सीटें लेकर यूपी में सरकार बनाई थी तब उसे इस इलाके में महज पांच सीटें ही मिली थीं। यही नहीं तब बुंदेलखंड के हमीरपुर, ललितपुर, महोबा में उसका खाता तक नहीं खुला था। उससे पहले 2007 के चुनाव में सपा केवल 6 सीट जीत पाई थी।

ये हैं सीटें

माधोगढ़, काल्पी, उरई, बबीना, झांसी नगर, मऊरानी पुर, गरौठा, ललितपुर, हमीरपुर, राठ, महोबा, चरखारी, तिंदवारी, बबेरू, नरैनी, बांदा, चित्रकूट, मानिकपुर। बुंदेलखंड में दो मंडल झांसी व चित्रकूट आते हैं। इसमें सात जिले जालौन, झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, बांदा व चित्रकूट हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारत-रूस संबंधों के नए समीकरण

कोरोना काल के बीच रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन भारत पहुंचे। इसके पहले दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत ने रूस के सामने चीन की विस्तारवादी नीति पर भी अपनी चिंता जाहिर की। दोनों देशों के बीच रक्षा और ऊर्जा समेत विभिन्न क्षेत्रों में 28 समझौते किए गए। एके 203 असॉल्ट राइफल के सौदे और निर्माण समझौत पर भी मुहर लगी। वहीं रूसी राष्ट्रपति ने भारत को महान शक्ति बताया। सवाल यह है कि रूस और भारत के बीच हुए नए समझौतों के क्या मायने हैं? क्या इसका भारत और अमेरिका के संबंधों पर असर पड़ेगा? क्या चीन की विस्तारवादी नीति पर नियंत्रण लगाने के लिए रूस कोई ठोस रणनीति अपनाएगा? क्या भारत-रूस संबंध एशिया में शांति बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकेंगे? चीन से मधुर संबंध होने के बावजूद रूस भारत को अहमियत देकर क्या संदेश देना चाहता है?

भारत-रूस की मित्रता काफी पुरानी है। दोनों देश हमेशा से एक-दूसरे की मदद को खड़े रहते हैं। हालांकि पुतिन के आने के बाद इसमें अधिक इजाफा हुआ है। रूस और भारत के बीच सैन्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में समझौते होते रहे हैं। चीन से तनाव को देखते हुए भारत ने जब रूस से एस-400 मिसाइस सिस्टम की मांग की तो वह तत्काल तैयार हो गया। यह सिस्टम चीन के पास मौजूद सिस्टम से अधिक उन्नत तकनीक से लैस है। रूस ने इस सिस्टम की दो यूनिटें भारत रवाना कर दी हैं। इससे चीन और अमेरिका दोनों चिढ़े हुए हैं। अमेरिका ने तो इसकी खरीद नहीं करने को लेकर भारत पर दबाव तक बनाया था। इस सिस्टम से लैस होने के बाद भारतीय सेना एक साथ तीन मोर्चों पर बेहद आसानी से लड़ सकती हैं। इसकी मिसाइलें 40 से लेकर 400 किमी तक सटीक मार कर सकती है। ये दुश्मन की मिसाइल को हवा में तबाह कर सकती हैं। इसके अलावा असाल्ट राइफल्स का निर्माण भारत में किया जाएगा। रूस इसकी तकनीकी भी भारत को देगा। इसका सीधा असर चीन पर पड़ेगा। वह भारत से युद्ध करने से कतराएगा। वहीं इस यात्रा के जरिए पुतिन ने चीन को सीधा संदेश दे दिया है कि भले ही चीन से उसके संबंध मधुर हो लेकिन वह मित्र भारत का साथ नहीं छोड़ सकता। इसके अलावा रक्षा सौदों के जरिए पुतिन रूस की बिगड़ती अर्थव्यवस्था को भी सुधारने में जुटे हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि भारत ने अधिकांश रक्षा सौदों के जरिए उन्नत तकनीक खरीद कर रूस का आर्थिक सहयोग किया है और दोनों देशों की मित्रता के कारण ही एशिया में शांति बरकरार है। फिलहाल वैश्विक कूटनीति में रूस और अमेरिका से बेहतर संबंध बनाने में भारत सफल रहा है।

सवाल यह है कि रूस और भारत के बीच हुए नए समझौतों के क्या मायने हैं? क्या इसका भारत और अमेरिका के संबंधों पर असर पड़ेगा? क्या चीन की विस्तारवादी नीति पर नियंत्रण लगाने के लिए रूस कोई ठोस रणनीति अपनाएगा? क्या भारत-रूस संबंध एशिया में शांति बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकेंगे?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ममता के तेवर और कांग्रेस

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी एवं चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के कांग्रेस पार्टी और विशेषकर राहुल गांधी को लेकर दिये गये ताजा कटाक्षपूर्ण बयान एक राष्ट्रीय पार्टी की लगातार गिर रही साख एवं बिखराव को दर्शाते हैं। इसका सीधा मतलब है कि विपक्षी एकता के मामले में न केवल ममता बल्कि अन्य कुछ दल कांग्रेस को अनुपयोगी और अप्रासंगिक मानकर चल रहे हैं। यह असामान्य स्थिति है कि एक क्षेत्रीय दल देश के सबसे पुराने राष्ट्रीय दल की अहमियत को इस तरह खारिज करे। पार्टी के कद्दावर नेता भी घुटन में हैं, तभी पार्टी के भीतर जी-23 असंतुष्टों का समूह बना। कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं की यह खुली बगावत एवं विपक्षी दलों के तीखे तेवर पार्टी के भविष्य पर घने अंधेरों की आहट है।

ममता बनर्जी को वर्तमान में कांग्रेस की गिरती साख एवं राहुल गांधी के शिथिल नेतृत्व के कारण ही कहना पड़ा है कि अब संप्रग जैसा कुछ नहीं रह गया है, उससे यह नए सिरे से स्पष्ट हो गया कि वह खुद के नेतृत्व में भाजपा का विकल्प तैयार करने को लेकर गंभीर हैं। पता नहीं उनकी सक्रियता क्या रंग लाएगी, लेकिन इतना अवश्य है कि कांग्रेस को उनसे चिंतित होना चाहिए। अभी तक विपक्षी एकता की जो भी कोशिश होती रही है उसमें कहीं-न-कहीं कांग्रेस भी शामिल रही है। खुद ममता बनर्जी भी ऐसी कोशिश का हिस्सा रही हैं, लेकिन अब वही कांग्रेस को किनारे कर रही हैं। ममता बनर्जी ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा था कि जब आधा टाइम विदेश में रहेंगे तो राजनीति कैसे करेंगे? प्रशांत किशोर राहुल गांधी और कांग्रेस को लगातार घेरते रहे हैं। कांग्रेस को अपनी खोयी जमीन पाने के लिये सीधा-सरल गणित नहीं बैठाना है, बल्कि कठोर परिश्रम करना होगा, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। कोरी बयानबाजी एवं नरेन्द्र मोदी के विरोध से खोयी जमीन नहीं मिलती, बल्कि वह और रसातल में जायेगी। कांग्रेस नेतृत्व ने अपनी दिशाहीन राजनीति से न केवल अपनी पार्टी को कमजोर किया है बल्कि विपक्ष को भी नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस को पर्दे के पीछे से चला रहे राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता को लेकर उनके सहयोगी-समर्थक चाहे जो दावा करें, वह हर दृष्टि से निष्प्रभावी हैं। राजनीति में इतना लंबा समय बिताने के बाद भी वह बुनियादी राजनीतिक परिपक्वता हासिल नहीं कर सके हैं। उनके लिए राजनीति का एक ही मकसद है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कोसना।

उन्होंने सस्ती नारेबाजी को ही राजनीति समझ लिया है। विडंबना यह है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अपनी इस दुर्दशा पर न चिन्तन-मंथन करता है और न अपनी कमियों एवं गलतियों को स्वीकारता है। राहुल ही नहीं, कुछ इसी तरह की राजनीति प्रियंका गांधी भी कर रही हैं। दोनों नेता अपनी तमाम सक्रियता के बावजूद कहीं कोई छाप नहीं छोड़ पा रहे हैं। वास्तव में इसीलिए कांग्रेस तेजी के साथ रसातल में जा रही है। यह कांग्रेस के लगातार कमजोर होते चले जाने का ही कारण है कि उसके नेता अन्य दलों की शरण में जा रहे हैं। पंजाब एवं राजस्थान के कांग्रेसी तनाव के लम्बे समय से हल नहीं हो पाने के पीछे राहुल की अपरिपक्व राजनीतिक सोच ही है। राहुल गांधी को चाहिए था कि पंजाब के मामले में सिद्धू को निर्देश व सलाह देते कि राज्य में जो स्थिति उन्होंने बनाई है, उसका हल भी खुद ही निकालें। ऐसे नेताओं पर नकेल-कसना पार्टी का ही काम है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लगातार शह-मात का खेल कांग्रेस को राज्य में कमजोर कर रहा है। यदि राहुल और प्रियंका ने सचिन पायलट को ठोस आश्वासन दिए थे तो उन्हें तुरंत पूरा करना चाहिए। पार्टी में संवादहीनता चरम पर है। अब जब कोविड-19 का प्रकोप कम होता लग रहा है, तब सोनिया गांधी को तुरंत ऑल इंडिया कांग्रेस समिति का अधिवेशन बुलाकर विचारधारा व नेतृत्व के मामले को पार्टी के समक्ष रखना चाहिए। इस कदम से कांग्रेस व नेहरू-गांधी परिवार और मजबूत, दृढ़ निश्चयी के साथ-साथ राजनीतिक लक्ष्यों के प्रति सजग व प्रेरित नजर आता, लेकिन ऐसा न होना पार्टी के अस्त होते जाने का ही संकेत है। कांग्रेस आज उस मोड़ पर खड़ी है जहां एक समस्या समाप्त नहीं होती, उससे पहले अनेक समस्याएं एक साथ फन उठा लेती हैं। कांग्रेस के भीतर एवं बाहरी विरोधाभास नये-नये चेहरों में सामने आ रही है। लिहाजा असंतुष्ट नेता एवं विपक्षी दल इस नतीजे पर भी पहुंच चुके हैं कि राहुल के रहते कांग्रेस में कोई सूरज उग नहीं पाएगा। जो लोग प्रियंका गांधी से उम्मीद लगाए थे, वे और निराश हैं। साफ है कांग्रेस को राष्ट्रीय धर्म एवं कर्तव्य के अलावा कुछ न दिखे, ऐसा होने पर ही पार्टी को नवजीवन मिल सकता है।

संकट की दस्तक में आत्मबल का संबल

सुरेश सेठ

लगभग दो बरस के बाद देश महामारी के दुर्भाग्य से उबरने लगा था। लगता था अब जिंदगी सामान्य हो जायेगी। पिछले बरस तो देश का अर्थतंत्र ही जैसे लड़खड़ा गया। महामारी में लगे पूर्ण-अपूर्ण बन्दों के बाद सकल घरेलू उत्पादन में तेईस प्रतिशत के आशातीत वृद्धि और व्यवस्था के स्वत: स्फूर्त हो जाने के सपने देखे जा रहे थे और कहां यह विकास दर लड़खड़ा कर शून्य से नीचे जा ऋणात्मक सात प्रतिशत के आसपास पहुंच गयी। परिणाम स्पष्ट थे, महानगरों में निवेश निरुत्साह हुआ। फैक्टरियों और मिलों ने सक्रियता का धुआं उगलना बंद कर दिया। सबसे बड़ा कुप्रभाव निर्धन और मध्य वर्ग पर पड़ा। उनकी बंधी-बंधाई नौकरियां छूट गयी, नया रोजगार कहीं था नहीं। देश में एक अजब विडम्बना पैदा हो गयी। बाजार में अतिरिक्त मांग नहीं थी क्योंकि बेकार हो गये जनसमुदाय की जेब में पैसे नहीं थे और उधर मौद्रिक नीति के उदार तेवर अपनाने या सरकार द्वारा दो-दो आर्थिक बूस्टर जारी करने के बावजूद निवेश प्रेरित नहीं हुआ। आपूर्ति बाजारों से गायब रही, जो आयी वह काला बाजारों और चोर बाजारों का रुख करती रही, इसलिये महंगाई में अप्रत्याशित वृद्धि हो गयी।

दूसरी ओर विश्व सर्वेक्षणों ने बताया कि शुचिता और नैतिक मूल्यों के नारों के बावजूद भारत दुनिया के महाभ्रष्टाचारी देशों में अव्वल है। रिश्वतखोरी एक ऐसी मान्य शार्टकट बन गयी कि 'रिश्वत लेना और देना अपराध है', देश के दफ्तरों में लगे ये सूचनापट निरर्थक हो गये। बेकारी देश की बेबसी बन गयी। भारत को नौजवानों के बाहुल्य के कारण एक युवा देश कहा जाता है लेकिन इस काल में यह पीढ़ी भटकती और बेकार पीढ़ी बन गयी। खेतीबाड़ी देश का पुश्तैनी धंधा था, लेकिन इसका राष्ट्रीय आय में घटता योगदान और पहली कृषि क्रांति से पैदा असमर्थता ने गांवों की युवा पीढ़ी को अपना आश्रय देने से इनकार कर दिया। गांवों के युवक अपने परिवारों का निरर्थक बोझ बनने के स्थान पर एक वैकल्पिक और बेहतर जीवन जीने के लिए महानगरों की ओर चल दिये। अधिक स्वप्नजीवी वैध-अवैध तरीकों से विदेशों की ओर निकल गये। लेकिन कोरोना के घातक वायरस ने सब कुछ उलट-पलट दिया। महानगरों में गांव से आ जमती नौकरियों के पांव उखड़े और विदेशों में आसरा तलाशते प्रवासी भारतीय बेगाने हो गये। अभी अनुभव किया जा रहा था कि कोरोना की दूसरी लहर का दबाव कम हो गया, देश में इसके मुकाबले के लिए टीकाकरण का ऐसा रिकार्ड तोड़ अभियान चला कि न केवल यहां कोरोना की विदाई की बातें शुरू हो गयीं बल्कि इसने कोरोना की तीसरी लहर के पांव थाम दिये हैं। लेकिन कोरोना ने घातक वायरस 'ओमिक्रॉन' ने दस्तक दे दी। यह सही है कि कोरोना के इस नये रूप का संक्रमण अभी चंद भारतीय मरीजों को चपेट में ले चुका है लेकिन सामान्य जीवन जीने, नये उद्योग, नये काम धंधों और नया निवेश करने की इच्छा रखने वाले सक्रिय होते देश के पांव इससे ठिठक गये। देश की स्टॉक एक्सचेंज मंडियां नये कोरोना संक्रमण की आशंका से धड़ाम से गिरी।

स्वदेशी-विदेशी निवेशकों की उदासीनता रही। हां, सत्ताधीशों के स्तर पर देश ने इस विकट समय में भी तरक्की कर ली, ऐसी घोषणाओं की कमी नहीं रही। चमकता हुआ भारत, आत्मनिर्भर भारत और अच्छे दिनों की वापसी ऐसी दिलासा भरी घोषणायें थी, जिन्होंने अवसादग्रस्त दिलों के लिए एक उत्सव का सृजन कर दिया। आंकड़े कहते हैं कि भारत डिजिटल हो गया और इसके इंटरनेट क्षेत्र में नौकरियां खाली पड़ी हैं, काम के लिए नौजवान मिल नहीं रहे। बेशक नहीं मिल रहे क्योंकि बला की तेजी से देश ने डिजिटल हो जाने की घोषणा कर दी। नौजवानों के पास उचित प्रशिक्षण है नहीं इसीलिए आसामियां खाली पड़ी हैं। शहर में कोरोना का दबाव घट जाने से और आम जिंदगी लौट आने से नौकरियों की उपलब्धता वही है, बेकारी की दर घटी है। लेकिन तनिक गांवों में शहरों से पलायन करके धरती मां से आसरा तलाशती उस लौटी पीढ़ी का भी ध्यान कर लो, जो कोरोना के लौट आने के भय से अभी गांवों में ही रुकी है और वहीं अपने जीवनयापन का आसरा तलाश कर रही है, जो उन्हें नहीं मिलता। ऐसे लोगों की संख्या करोड़ों बतायी जा रही है। सरकार ने इनके लिए लघु और कुटीर उद्योगों के विकास की घोषणा की है, उनके लिए पड़ोसी कस्बों में फसल प्रसंस्करण की औद्योगिक इकाई बनायी जायेंगी। उन्हें अपनी धरती से पुन: उखड़े लोगों को काम का आसरा मिल जायेगा लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं है। घोषणा होती है तो यही कि लाल रेखा के पीछे भी बड़े उद्योगपतियों को अपनी उद्यम इकाइयां स्थापित करने की इजाजत मिल गयी। जयघोष होता है, लघु कुटीर उद्योगों का, भारी संख्या में एफपीओ स्थापित करने का, लेकिन भूख से मरता हुआ नौजवान इस विकास यात्रा में कहीं पैर रखने की भी जगह नहीं पाता। तभी तो अनियमित छोटे व्यापारी, फुटपाथी दुकानदार और रेहड़ी खोमचे वाले भी अपने आपको अधर में लटका पाते हैं। वे न इधर के रहे और न उधर के। ऐसी अवस्था में एक ही समाधान नजर आता है कि विकास और अच्छे दिनों के लौटने के लिए समतावादी समाज की स्थापना की जाये। शीर्ष पुरुषों, सम्पदावानों और सदियों से धरती पर रेंगते वंचितों में अंतर कम कीजिये। प्रजातान्त्रिक समाजवाद की स्थापना हो कि जिसका वचन आजादी के समय दिया गया था। सपना है आम आदमी का रोजी रोजगार लौटेगा, उसका वेतन और उसकी मांग बढ़ेगी। मन्दी के बादल छटेंगे।

खुद कर रही हैं वेडिंग मेकअप इन टिप्स को करें फॉलो

वेडिंग मेकअप सामान्य मेकअप की तुलना में स्पेशल और हेवी होता है। वेडिंग मेकअप दरअसल फोटोग्राफी और लाइटिंग को भी नजर में रखकर किया जाता है, जिससे दुल्हन की फोटो हर फ्रेम में खूबसूरत आए। ऐसे में अगर आप घर पर खुद अपना वेडिंग मेकअप करने की सोच रही हैं तो यहां हम आपके लिए कुछ ऐसे एक्सपर्ट मेकअप टिप्स लेकर आए हैं जो आपके ब्राइडल मेकअप को खास और आसान बनाने में मदद करेंगे। तो आइए जानते हैं कि आप अपनी शादी के लिए वेडिंग मेकअप की तैयारियां कैसे करें।

फेशियल जरूरी

परफेक्ट मेकअप के लिए जरूरी है कि आपका फेस किसी सादे कैनवास की तरह रेडी हो। इसके लिए जरूरी है कि आप शादी से 3 से 4 महीने पहले से ही रेग्युलर फेशियल कराती रहें। जिससे आपको मेकअप स्किन में आसानी से समा पाएगा।

मेकअप प्रोडक्ट्स का रखें ध्यान

शादी के दिन से पहले ही अपने मेकअप प्रोडक्ट को रेडी रखें। उन प्रोडक्ट का प्रयोग करें जो आपकी स्किन टेक्सचर को सूट करता हो।

फुल मेकअप करने की करें प्रैक्टिस

आप भले ही अच्छा मेकअप करती हों लेकिन ब्राइडल मेकअप करने से पहले जरूरी है कि आप फुल वेडिंग मेकअप करने की प्रैक्टिस करें। यही नहीं, जिन प्रोडक्ट्स में आपका मेकअप कंप्लीट हो रहा है उन्हें लिखती भी जाएं। बेहतर होगा अगर आप मेकअप स्टेप को भी लिखें। ऐसा करने से शादी के दिन स्ट्रेस नहीं होगा और आप बेहतर तरीके से अपना मेकअप कर पाएंगी।

शांत जगह चुनें

कई बार मेकअप रूम में गेस्ट आते जाते रहते हैं और हड़बड़ी बनी रहती है। ऐसे में ब्राइडल मेकअप के लिए आप एक शांत, अकेला और अपने कंफर्टेबल के हिसाब से रूम चुनें। ध्यान रहे कि यहां रौशनी की पूरी व्यवस्था हो।

एसपीएफ प्रोडक्ट से रहें दूर

एसपीएफ प्रोडक्ट में जिंक और टिटेनियम ऑक्साइड होता है जो स्किन पर वाइट कास्ट करता है। इस वजह से फोटोग्राफी के दौरान फ्लैश लाइट में खराब फोटो आ सकता है।

प्राइमर का करें प्रयोग

अगर आप मेकअप से पहले प्राइमर का प्रयोग करेंगी तो इससे आपकी स्किन अधिक टेक्सचर्ड और सेटल्ड नजर आएगी। ये आपके मेकअप को अधिक देर तक फ्रेश भी रखेगी।

सही फाउंडेशन और कंसीलर का करें चुनाव

अपनी स्किन के अनुसार की फाउंडेशन खरीदें। वरना आपकी स्किन या तो ग्रीसी या ड्राई नजर आ सकती है। इसके अलावा वाइट पाउडर का अत्यधिक प्रयोग फोटोग्राफी के टाइम में वाइट नजर आ सकता है। हमेशा क्रीमी कंसीलर का प्रयोग वेडिंग के लिए परफेक्ट होता है।

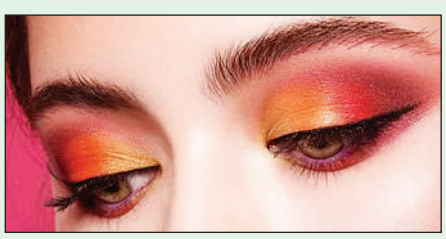

इन बातों का भी रखें ध्यान

- हमेशा वाटरप्रूफ मस्कारा का प्रयोग करें।
- मेकअप के बाद सेटिंग स्प्रे जरूर करें।
- लिप कलर पर कई लेयर करें।
- साथ में हमेशा ब्लॉटिंग शीट कैरी करें और मेकअप को टचअप देती रहें।
- चमकीले प्रोडक्ट का प्रयोग ना करें।
- आइब्रो जरूर डिफाइन करें।

आई प्राइमर का भी करें इस्तेमाल

आंखों की खूबसूरती बाने के लिए आपको आई प्राइमर की आवश्यकता है। आई-प्रेड को अपनी आंखों की पलकों पर अच्छी तरह से सेट करने के लिए आई-प्राइमर का उपयोग करना न भूलें।

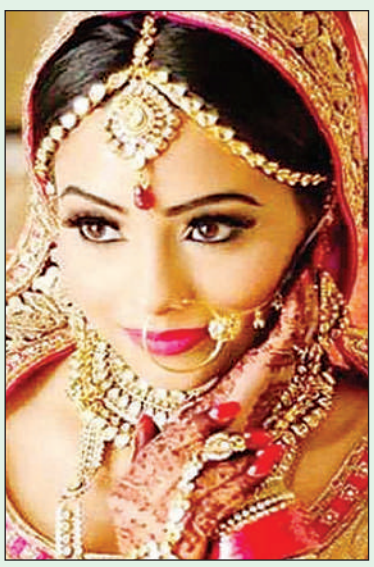

कहानी — कहानी और गीत

कोई एक महिला थी जिसे एक कहानी मालूम थी। उसे एक गीत भी याद था, लेकिन उसने कभी किसी को न वह कहानी सुनाई थी, न गीत। कहानी और गीत उसके भीतर बन्द थे, और बाहर आना चाहते थे, भाग निकलना चाहते थे। एक दिन रात में सोते समय उस महिला का मुंह खुला रह गया और मौका देख कहानी बच निकली, बाहर आन गिरी, जूतों की एक जोड़ी में बदल गई और घर के बाहर जा बैठी। गीत भी निकल भागा और आदमी के कोट जैसी किसी चीज में बदलकर खूंटी पर लटक लिया। उस महिला का पति जब घर लौटा, उसे जूते और कोट दिखाई दिए, और तुरन्त उसने अपनी पत्नी से पूछा, कौन है घर में? कोई भी नहीं, महिला बोली। फिर ये कोट और जूते किसके हैं? मुझे नहीं मालूम, उसने उत्तर दिया। वह आदमी अपनी पत्नी के उत्तर से सन्तुष्ट नहीं हुआ। उसे अपनी पत्नी पर शक हुआ। जिस पर उनके बीच खूब कहा-सुनी हुई और वे भयंकर झगड़ा करने लगे। घरवाला गुस्से से पगला उठा, उसने अपना कम्बल उठाया, और रात बिताने हनुमान जी के मन्दिर में चला आया। वह महिला सोचती रह गई, लेकिन उसे कुछ समझ में नहीं आया। अकेली लेटकर वह रात में सोचती रही- आखिर किसके हैं ये जूते और यह कोट! दुख और असमंजस में उसने लालटेन बुझाई और उसे नींद आ गई। शहर-भर की लालटेनों की बत्तियाँ जब बुझ जातीं, तो वे रातभर गपशप करने हनुमान जी के मन्दिर चली आतीं। उस रात भी शहर की सारी बत्तियां वहाँ थीं - बस एक को छोड़कर। वह काफी देर से आई। दूसरी बत्तियों ने पूछा, आज इतनी देर से क्यों आई? हमारे घर में आज पति-पत्नी का झगड़ा जो चल रहा था, आग की वह लौ बोली। क्यों झगड़ रहे थे वे? पति घर पर नहीं था तो जूतों की एक जोड़ी घर के बाहर आ बैठी और अन्दर की एक खूंटी पर एक मर्दाना कोट आकर टंग लिया। पति ने पूछा कोट और जूते किसके हैं। पत्नी बोली वह नहीं जानती। इस बात पर वे झगड़ने लगे। कोट और जूते आए कहाँ से थे? घर की मालकिन को एक कहानी मालूम थी और एक गीत। वह न तो किसी को कहानी सुनाती है, न गीत। कहानी और गीत का दम घुट रहा था, तो वे बच कर भाग निकले और कोट और जूतों में बदल गए। वे बदला लेना चाहते थे। औरत को तो पता ही नहीं चला। कम्बल ओढ़कर लेटे आदमी ने लालटेन की पेश की हुई दलील को सुना। उसका शक जाता रहा। जब वह घर वापस पहुंचा तो सुबह हो चुकी थी। उसने अपनी पत्नी से उसके भीतर की कहानी और गीत के बारे में पूछा, लेकिन वह तो उन्हें भूल चुकी थी। वह बोली, कैसी कहानी, कौन-सा गीत?

5 अंतर खोजें

हंसना मना है

टीचर (स्टूडेंट से): सेमेस्टर सिस्टम से क्या फायदा है, बताओ? स्टूडेंट: फायदा तो पता नहीं, पर बेइज्जती साल में दो बार हो जाती है

टीचर: नालायक पढ़ ले कभी अपनी कोई बुक खोल के देखी है? संजू: हाँ मैं रोज़ खोलता हूँ एक बुक! टीचर: कौन सी? संजू: फेसबुक ।

रवि (नौकर से): ज़रा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं ? नौकर: बाहर तो अँधेरा है। रवि: अरे तो टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर ।

टीचर: तुमने कभी कोई नेक काम किया है? सचिन: हाँ सर.. एक बुजुर्ग धीरे धीरे अपने घर जा रहे थे.. मैंने कुत्ता पीछे लगा दिया तो जल्दी पहुंच गए।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — अचानक से पैसा आपके पास आएगा। पढ़ाई में रुचि कम होने से बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं. आज अपने प्रिय के साथ अच्छा व्यवहार करें। सड़क पर बेकाबू होकर वाहन न चलाएं।

वृषभ — आज आप अपने काम के प्रति काफी सक्रिय रहेंगे। कई दिनों से रुके हुए काम पूरे करने के बाद राहत की सांस लेंगे। जरूरतमंदों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मिथुन — दोस्तों के साथ मिलकर आप कुछ नया और सकारात्मक कर सकते हैं. इसके लिए आपको प्रयास और पहल करनी होगी। जीवनसाथी के साथ आपका समय अच्छा बीतेगा।

कर्क — आज नौकरी करने वालों को आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। आपको महत्वपूर्ण मामलों पर योजना बनाने की आवश्यकता होगी। किसी और की बात किसी और तक पहुंचाने का काम भी दिया जा सकता है।

सिंह — अपने शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए संतुलित आहार लें, ऐसी चीजें खरीदने के लिए आज का दिन अच्छा है, जिनकी कीमत बाद में बढ़ सकती है।

कन्या — आपका दिन अनुकूल रहेगा. आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। काम में नई शुरुआत हो सकती है। अचानक धन लाभ हो सकता है। आपकी सकारात्मक सोच का विस्तार होगा।

तुला — अचानक धन लाभ हो सकता है। आपके द्वारा बनाई गई योजनाओं से सफलता मिलने की पूरी संभावना है। लोगों को अपनी राय से सहमत करने में काफी हद तक सफल हो सकते हैं।

वृश्चिक — आर्थिक स्थिति को लेकर जल्दबाजी में बड़े फैसले लेने से बचना चाहिए. परिवार वालों के साथ आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। वाहन सावधानी से चलायें।

धनु — मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको शांति देगी। आप दूसरों पर थोड़ा अधिक खर्च कर सकते हैं। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें।

मकर — आज के दिन किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचें। आप अपने माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जा सकते हैं। मित्रों से मुलाकातें फायदेमंद हो सकती हैं।

कुम्भ — पुरानी परेशानियां खत्म हो सकती हैं. संतान और परिवार के मामले में कुछ अच्छे बदलाव हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण मामलों पर करीबी लोगों से चर्चा हो सकती है। धन लाभ भी हो सकता है।

मीन — आज आपका स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है। उच्च शिक्षा और शोध कार्य के लिए आपको यात्रा पर जाना पड़ सकता है। संपत्ति का विस्तार होगा। आज का दिन कई रूपों में अच्छा रहने वाला है।

बॉब बिस्वास में अभिषेक बच्चन का दिखा दमदार अभिनय

बॉब बिस्वास की कहानी की शुरुआत ब्लू ड्रग्स स्मगलिंग से होती है, जहां एक ड्रग्स स्मैगलर इस धंधे के बारे में दूसरे आदमी को बताता है कि इसका भविष्य कितना फायदेमंद है। वह एक नमूना पेश करते हुए कहता है कि देखिए, आजकल के बच्चे अपने मां-बाप की एक नहीं सुनते, पर ब्लू ड्रग के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। लेकिन ड्रग्स के साइड इफेक्ट को लेकर सिस्टम अपना काम करता है। कहानी आगे बढ़ते हुए वहां पहुंचती है, जिस हॉस्पिटल में बॉब बिस्वास (अभिषेक बच्चन) कोमा में होता है। डॉक्टर उसे यह कहते हुए डिस्चार्ज करते हैं कि तुम्हारा कितना बड़ा एक्सीडेंट हुआ था। 8 साल कोमा में रहे। अब धीरे-धीरे याददाश्त भी वापस आ जाएगी। मेरी बिस्वास (चित्रांगदा सिंह) और उसका बेटा, बॉब को रिसीव करके पहले चर्च ले जाते हैं और वहां कैंडल जलाकर वापस घर आते हैं। बॉब अपनी वाइफ मेरी (चित्रांगदा सिंह) और बच्चों को

लेकर बहुत पजेसिव है। साथ ही वह अपनी याद वापस लाने की कोशिश करता है। उसे अतीत के प्रसंग याद आने पर दुविधा में पड़ जाता है। खैर, एक बार वह कांट्रैक्ट किलर का काम शुरू करता है। दूसरी तरफ उसकी वाइफ मेरी एक बैंक में काम करती है, जहां पर उसका मैनेजर उससे फ्लर्ट करने की कोशिश करता है। वह नौकरी और लाइफ मैनेज करने की कोशिश करती है। यहां कहानी की बात करें तो फर्स्ट हाफ में कहानी थोड़ा बोरिंग लगती है, क्योंकि किरदार के एक-दूसरे से साथ रिश्ते और बॉब क्यों एक के बाद एक मर्डर कर रहा है, यह समझ से परे होता है। लेकिन ज्यों-ज्यों आगे बढ़ती और परत-दर-परत बिस्वास की लाइफ के बारे में खुलासा होता है, त्यों-त्यों कहानी रोचक बन पड़ती है। फर्स्ट हाफ थोड़ा बोरिंग, पर सेकंड हाफ रुचकर बन पड़ा है। कोलकाता की गलियां और भाषा बड़ी प्यारी लगती है। अभिनय की बात करें तो अभिषेक बच्चन और चित्रांगदा सिंह का काम सराहनीय लगता है। अभिषेक अपने किरदार में जान डालने के लिए 20 किलो वजन बढ़ाए हैं, जो उनकी बॉडी, हाव-भाव, चाल-ढाल में साफ नजर आता है। फिल्मी के छोटे-छोटे किरदार और उनकी तुकबंदी कहानी को दिलचस्प बनाती है। ऑल ओवर कहानी का निष्कर्ष यह निकलता है कि अतीत कभी पीछा नहीं छोड़ता है। गलत काम का गलत नतीजा ही मिलता है। हां, अगर जीवन में कुछ अच्छा किए हो, तब उसका भी फल जरूर मिलता है।

रिया कपूर ने बनाया अपना आलीशान आशियाना

अनिल कपूर अपनी दोनों बेटियों की शादी कर चुकी हैं। सोनम कपूर के बाद उन्होंने इसी साल अगस्त में ही छोटी बेटी रिया कपूर के हाथ पीले कर उन्हें विदा किया है। रिया ने करण बूलानी को अपना हमसफर बनाया। 12 साल के लंबे रिलेशनशिप को उन्होंने नया नाम देते हुअ बेहद सादगी से घर में शादी। शादी के बाद रिया ने अपने आलीशान घर की झलक फैंस को दिखाई है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रिया कपूर और करण बूलानी का मुंबई में अपना बेहद खूबसूरत आशियाना बनाया है। रिया ने अपने घर की ये तस्वीरें एक मैगजीन के लिए खिचवाई हैं। रिया की इन तस्वीरों में उनके पति भी शामिल हैं।

बॉलीवुड | मसाला

दोनों ही वोग मैगजीन कवर के लिए पोज देते हुए काफी खूबसूरत लग रहे हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए रिया ने करण बूलानी को टैग करते हुए लिखा, यह घर करण और मैनें किराए पर लिया हुआ है, जिसमें हम अपने डॉग के साथ रहते हैं। मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में रिया कपूर ने कहा कि अपने बचपन के घर और उसके आराम को छोड़ना आसान नहीं होता हैं। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा से चाहती थी मेरा घर एक अभयारण्य, मौज-मस्ती, आराम और सुरक्षा का स्थान हो। हमारा अपार्टमेंट, दो मंजिलों में विभाजित था, जिसको अब एक इमारत में बदल दिया गया है रिया ने कहा कि ये साफ हैं शादी की तरह घरों में भी अलग-अलग संवेदनाओं को जोड़ने का एक तरीका होता है। रिया ने बताया कि मास्टर बेडरूम घर में उनका पसंदीदा कमरा है, जिसको भूरे रंग रंगा गया है गया। तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि मैं कमरे के ऐसा चाहती थी, जिसमें करण स्वर्ग सा महसूस करें, लेकिन इसको देख मैं सब कुछ भूल जाती हूं।

बॉलीवुड | मन की बात

मिथुन चक्रवर्ती जल्द करेंगे डिजिटल डेब्यू

मिथुन चक्रवर्ती जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मिथुन ने हाल ही में एक वेब सीरीज साइन की है। इस सीरीज में मिथुन के साथ श्रुति हसन भी लीड रोल में नजर आने वाली हैं। यह श्रुति की भी पहली वेब सीरीज होने वाली है। सूत्रों के मुताबिक, सीरीज की शूटिंग पूरी हो गई है। मुकुल अभ्यंकर इस सीरीज को डायरेक्ट कर रहे हैं। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने इसे प्रोड्यूस किया है। सीरीज में मिथुन-श्रुति के अलावा अर्जन बाजवा, गौहर खान और सत्यजीत दुबे भी लीड रोल में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सीरीज लेखक रवि सुब्रमण्यम के उपन्यास द बेस्टसेलर शी वॉट्ट पर आधारित है। सीरीज का टाइटल अभी तक फाइनल नहीं किया गया है, जिसे 2022 की पहली छमाही में रिलीज किया जाएगा। संजय गुप्ता भारत की सबसे कंट्रोवर्शियस और पॉपुलर बार डांसर स्वीटी पर एक बायोपिक फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। स्वीटी एक मेल डासंर था, जो साउथ मुंबई के तोपाज बार में एक महिला बनकर ऑडियंस को अपनी ओर खीच रहा था। इस फिल्म का टाइटल तोपाज है और इसे 1980 से 1990 के टाइम पीरियड पर सेट किया जाएगा, जब स्वीटी ने शहर में डांस बार पर राज किया था। इस फिल्म का डायरेक्शन इंदौरी इश्क फेम डायरेक्टर समित कक्कड़ करेंगे। अक्षय कुमार, सारा अली खान और धनुष की अपकमिंग फिल्म अतरंगी रे 24 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। अब हाल ही में डायरेक्टर आनंद एल राय ने एक इंटरव्यू में फिल्म के टाइटल को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा, मैं अपनी सबसे कॉम्प्लिकेटेड फिल्म अतरंगी रे से लेकर एक भाई और बहन के बीच के बंधन की सबसे सरल कहानी रक्षा बंधन में चला गया।

नेपाल में विमान को लगाया यात्रियों ने धक्का, जानें क्या है कारण

आपने अपने आस-पास लोगों को दो पहिया या चार पहिया वाहनों को धक्का लगाते हुए तो देखा ही होगा। हो सकता है? कभी आपको खुद भी ये काम करना पड़ा हो। लेकिन लेकिन क्या आप ने कभी हवाई जहाज को धक्का लगाते देखा है? दरअसल, नेपाल से एक ऐसा ही वायरल वीडियो सामने आ रहा है, जिसमें लोग हवाई जहाज को धक्का लगाते नजर आ रहे हैं। एयरपोर्ट पर दर्जनों यात्रियों ने धक्का देकर विमान की पार्किंग करवाई। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है आईए जानते हैं इसके पीछे का पूरा मामला- आपको बता दें कि ये घटना बीते दिन नेपाल के बाजुर एयरपोर्ट की है। जहां हुमला जिले के सिमिकोट से आए तारा एयरलाइंस के एक छोटे विमान ने एयरपोर्ट के रनवे पर लैंड किया। लेकिन तभी उसका टायर फट गया। रिपोर्ट के अनुसार विमान का पिछला टायर फट गया था, जिसके कारण वहां रनवे से हट नहीं पा रहा था। यह देखते हुए एयरपोर्ट पर मौजूद यात्री प्लेन को रनवे से हटाने के लिए सुरक्षाकर्मियों के साथ शामिल हो गए। प्लेन को रनवे से हटाने के लिए यात्रियों ने भी धक्का लगाया और उसे रनवे से हटाकर रास्ता क्लियर किया। दरअसल, जब तक विमान को पार्किंग नहीं किया जाता तब तक कोई दूसरा विमान उस रनवे पर लैंड नहीं कर सकता, जबकि दूसरे विमान लैंडिंग के लिए तैयार थे। ऐसे में जल्दी-जल्दी एयरपोर्ट अथॉरिटी ने लोगों की मदद से रनवे पर खड़े विमान को हटाने का फैसला किया ताकि रास्ता क्लियर हो सके।

अजब-गजब | यहां गाकर एक-दूसरे को पुकारते हैं लोग

भारत का अनोखा गांव जहां हर शख्स को नाम के साथ दिया जाता है खास गाना

जब बच्चा पैदा होता है तो माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य उसके लिए नाम खोजने में लग जाते हैं। अक्सर ऐसे नाम का चयन किया जाता है जो दूसरे के नामों से काफी अलग हो और जिसका अर्थ अच्छा हो। आज के वक्त में तो नाम इंटरनेट के जरिए ही ढूंढ लिए जाते हैं इसलिए बच्चों के काफी नए और अनोखे नाम) सुनाई पड़ते हैं। मगर भारत में एक ऐसा गांव है जहां बच्चे के पादा होते ही उसे सिर्फ नाम ही नहीं, एक गाना भी दिया जाता है जो उसके साथ जीवनभर के लिए जुड़ जाता है।

भारत के मेघालय में एक गांव है कॉन्गथॉन्ग इस गांव को यूनाइटेड नेशन्स वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन की ओर से बेस्ट टूरिज्म विलेज का पुरस्कार मिल चुका है। गांव को ये टाइटल अपनी खूबसूरती और यहां के लोगों के अच्छे व्यवहार के लिए मिला है। मगर इस गांव से जुड़ी एक और बेहद अनोकी बात है जो शायद कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। वो है यहां के लोगों के नाम के साथ मिलने वाले खास गाने इस वजह से गांव को विसलिंग विलेज यानी सीटी बजाने वाला गांव भी कहा जाता है।

बच्चों के लिए माता-पिता बनाते हैं गाना

रिपोर्ट्स की मानें तो गांव में करीब 650 लोग रहते हैं। रोचक बात ये है कि यहां के लोगों के नाम आम नामों की ही तरह हैं जिसे वो आधिकारिक चीजों के लिए इस्तेमाल करते हैं मगर इन नाम के साथ उनके लिए खास धुन भी बनाई गई है। यहां माता-पिता बच्चा पैदा होते ही उसके लिए अनोखी धुन बनाते हैं। ये गाने बच्चों के नाम के साथ ही जुड़ जाते हैं। लोग जीवन भर अपने नाम के साथ-साथ इन गानों से भी जाने जाते हैं। आखिरी सांस तक गाने लोगों की पहचान बन जाते हैं और गाना गाकर ही यहां लोग एक दूसरे को पुकारते हैं।

सालों से चली आ रही है प्रथा

बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार गांव के निवासी शिदिआप खोंगसित ने कहा- ये गाना एक मां के प्यार का सबूत है जो दिखाता है कि वो अपने बच्चे के पैदा होने पर कितनी खुश है। ये गाना माता-पिता के दिल से निकला गाना होता है जिसे लोरी की तरह बच्चों को सुनाया जाता है. आपको बता दें कि मेघालय में इस गाने को जिंग्रवई इयॉबी कहा जाता है जिसका अर्थ होता है दादी मां का गीत। गांव की रहनी वाली तीन प्रजातियों के अनुसार सदियों से नाम के साथ गाना देने की परंपरा यहां चली आ रही है।

ओमिक्रॉन से निपटने को प्लान तैयार, जांच और टीकाकरण की तेज होगी रफ्तार

» सभी मेडिकल कॉलेज में इलाज के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश

» निगरानी समितियों को किया गया सक्रिय, जीनोम सीक्वेंसिंग पर भी जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोविड के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से निपटने के लिए हर स्तर पर तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। टीकाकरण के साथ सामान्य बेड और आईसीयू को तैयार रखने, दवाओं के इंतजाम पर भी जोर दिया गया है।

नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को डेल्टा प्लस की अपेक्षा कम खतरनाक बताया जा रहा है। फिर भी राज्यस्तरीय स्वास्थ्य परामर्शदाता समिति ने इस नए वैरिएंट से निपटने की पुख्ता रणनीति तैयार की है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर सभी जिलों में तैयारी

रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत टीकाकरण की गति बढ़ाने, स्वच्छता अभियान निरंतर चलाने, फोकस सैंपलिंग, सर्विलांस आदि गतिविधियां निरंतर चलती रहेंगी।

सभी मेडिकल कॉलेज में 100 बेड वाले पीडियाट्रिक इंटेसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) एवं न्यूनेटल इंटेसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) के बेडों की जांच कर उन्हें तैयार रखने का निर्देश दिया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को ऑक्सीजन, लैब, जांच किट के बारे में भी लगातार समीक्षा करने को कहा गया है। प्रदेश की 3011 पीएचसी और 855 सीएचसी पर सुविधाएं दुरुस्त रखने, 73000 निगरानी समितियों को सक्रिय रहने और जांच का दायरा निरंतर बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। अभी हो रही डेढ़ लाख कोविड जांच को बढ़ाकर ढाई लाख करने और पॉजिटिव केस में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए सैंपल रखने के भी निर्देश हैं।

यूपी में डेल्टा वेरिएंट बरकरार

प्रदेश में कोरोना वायरस का डेल्टा वेरिएंट बरकरार है। यह खुलासा जीनोम सिक्वेंसिंग में हुआ है। शत-प्रतिशत मामलों में डेल्टा का ही असर मिल रहा है। हालांकि नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का अब तक एक भी केस नहीं मिला है। पिछले दो दिन में 22 सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग की गई है। इसमें एक सैंपल खराब हो गया जबकि 21 में डेल्टा वेरिएंट मिला है। यह दूसरी लहर के दौरान कहर मचा चुका है। डेल्टा वेरिएंट की संक्रमण दर और मारक क्षमता अधिक है। यह शरीर के विभिन्न हिस्से को प्रभावित करता है। शत-प्रतिशत केस डेल्टा के मिलने से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। केजीएमयू के संक्रामक रोग नियंत्रण यूनिट के प्रभारी डॉ. डी हिमांशु ने बताया कि अभी मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और हाथ धुलने की प्रवृत्ति बनाए रखनी होगी। दूसरी लहर में ज्यादातर केस डेल्टा के थे। यह वैरिएंट इम्यून सिस्टम को भी चकमा दे सकता है।

चलती बस में लगी आग, हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। सोनभद्र जा रही बस में बैटरी हीटिंग और शार्ट सर्किट से आग लग गयी। फायर की दो गाड़ियों ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। किसी तरह यात्रियों ने अपनी जान बचाई। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जनरथ बस कैंट रोडवेज से सोनभद्र जा रही थी। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी। सूचना के बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बस और उसमें रखे यात्रियों के कई समान पूरी तरह से जल गए। यात्रियों का आरोप है कि आग लगने के बावजूद उनको सूचना नहीं दी गई जब आग तीव्र गति से लपट के साथ बस को चपेट में ले लिया। चालक व परिचालक ने यात्रियों को अपनी जान बचाने के लिए बस से उतर जाने को कहा। यात्री जान बचाकर सामानों को छोड़कर बस से नीचे उतर आए इतने में आग ने पूरे बस को चपेट में ले लिया और यात्रियों के लाखों का सामान जलकर राख हो गया। महिला यात्रियों ने कहा कि उनके गहने जल गए। कैंट से सोनभद्र जा रही बस में 40 यात्री सवार थे।

एमपी में सियासत, सिंधिया ने दिग्विजय को दिया झटका

» करीबी नेता को भाजपा में कराया शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुना। मध्य प्रदेश में विधान सभा चुनाव के दो साल पहले से ही जोड़तोड़ का खेल शुरू हो गया है। केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने धुर विरोधी कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के गढ़ राघोपुर पहुंचे और सभा की। साथ ही उन्होंने दिग्विजय सिंह के करीबी माने जाने वाले एक नेता को भाजपा में शामिल करा दिया।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हीरेंद्र प्रताप सिंह समेत करीब 2000 कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भाजपा में प्रवेश कराया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सभी को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। राघोगढ़ दिग्विजय सिंह का गढ़ माना जाता है और इसमें पहली बार केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आम सभा को संबोधित किया और पहले से

ही कयास लगाए जा रहे थे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के सामने ही हीरेंद्र प्रताप सिंह अपने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा का दामन थामेंगे। वहीं दिग्विजय सिंह के गढ़ में हुई इस आम सभा से कई राजनीतिक मायने भी निकल रहे हैं। दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह राघौगढ़ विधान सभा से वर्तमान में विधायक हैं और पूर्व मंत्री रहे हैं। ऐसे में सिंधिया की किसान सभा के बाद राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है और इतनी बड़ी संख्या में भाजपा ज्वाइन करने से कहीं न कहीं राघोगढ़ राजघराने को आने वाले विधान सभा चुनाव में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

पिता-पुत्र के झगड़े में वृद्ध की मौत, केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मेरठ के परतापुर के गगोल में पिता-पुत्र के झगड़े में बीच-बचाव कराने पहुंचे पड़ोसी की हत्या कर दी गई। बेटे ने छत से पिता को मारने के लिए सिलबट्टा फेंका जो पड़ोसी के सिर में लग गया और उनकी मौत हो गई। वहीं मृतक के स्वजन ने पुलिस को हत्या की तहरीर दी है।

गगोल गांव में सोमवार देर रात चतरे और उसके बेटे रिंकू में किसी बात को लेकर झगड़ा हो रहा था। चतरे के घर मे हंगामा होते देख पड़ोस में रहने वाले 60 वर्षीय बृजपाल पुत्र खजान सिंह बीच-बचाव करने पहुंच गए। विवाद इतना बढ़ा की रिंकू ने मकान की छत से पिता पर सिलबट्टा फेंका जो बृजपाल के सिर में लग गया। वह खून से लथपथ हो गए। बृजपाल को नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। एएसपी विवेक यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है।

बम की फर्जी सूचना देने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार

» नौतनवा दुर्ग एक्सप्रेस में बम होने की उड़ाई थी अफवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। नौतनवा दुर्ग एक्सप्रेस में बम होने की फर्जी सूचना देने वाले दो सगे भाइयों को जीआरपी ने मध्य प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के पास से वह मोबाइल फोन भी जीआरपी ने बरामद किया, जिससे फोन कर उन्होंने ने ट्रेन में बम रखे होने की सूचना दी थी। दोनों के विरुद्ध रेलवे एक्ट व विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है।

जीआरपी ने बताया कि मध्य प्रदेश के अमलाई गांव निवासी अख्तर रजा ने 4 दिसंबर को 112 नंबर पर फोन कर बताया था कि नौतनवा दुर्ग एक्सप्रेस के कोच नंबर एस फाइव, एस आठ और एस 10 में बम रखा है। पुलिस कंट्रोल रुम में सूचना पहुंची तो हड़कंप मच गया था। सिविल पुलिस ने जीआरपी कंट्रोल रूम को जानकारी दी तो नौतनवा एक्सप्रेस की लोकेशन ट्रेस की गई। प्रतापगढ

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को रोका गया और सिविल पुलिस के साथ जी जीआरपी और आरपीएफ ने संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। जिन कोच की जानकारी दी गई थी उनका कोना कोना छान मारा लेकिन बम नहीं मिला। इस दौरान यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा था। ट्रेन बम नहीं मिलने के बाद जीआरपी पोस्ट प्रयागराज में मुकदमा दर्ज किया गया। जिस मोबाइल नंबर से बम होने की सूचना आई थी, उसे सर्विलांस पर लगाया गया। मोबाइल नंबर की लोकेशन मध्य प्रदेश में मिली। जीआरपी ने छापेमारी कर फोन करने वाले अख्तर रजा और उसके भाई अहमद रजा को गिरफ्तार कर लिया।

पंजाब चुनाव: कांग्रेस ने अजय माकन और अंबिका सोनी को दी बड़ी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस ने पंजाब विधान सभा चुनाव के लिए चुनाव से जुड़ी विभिन्न कमेटियों का गठन कर दिया है। उम्मीदवारों के चयन के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता कांग्रेस महासचिव अजय माकन करेंगे जबकि चंदन यादव और कृष्णा अलावरु बतौर सदस्य के तौर पर होंगे। कमेटी में पदेन सदस्य के तौर पर पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू, मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रताप सिंह बाजवा होंगे।

स्क्रीनिंग कमेटी का काम पंजाब कांग्रेस की तरफ से आये संभावित उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देना और कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति के सामने उम्मीदवारों के नाम पेश करना है।

» उम्मीदवारों के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता करेंगे माकन

स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन पंजाब के पिछले दिनों चले घटनाक्रम में काफी सक्रिय थे और पर्यवेक्षक के तौर पर नए मुख्यमंत्री के चेहरे के लिए विधायकों की राय जानने गए थे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने स्क्रीनिंग कमेटी के अलावा पंजाब विधान सभा चुनाव के लिए तीन और कमेटियों का गठन किया है। पंजाब विधान सभा चुनाव के कोऑर्डिनेशन के लिए पार्टी महासचिव और राज्यसभा सांसद अंबिका सोनी को समन्वय समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

अब मथुरा के सहारे चुनावी नैया पार करेगी भाजपा!

गरमाया जा रहा मथुरा का मुद्दा, 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के करीब आते ही भाजपा ने फिर धर्म और जाति की राजनीति शुरू कर दी है। नारा उछाला जा रहा है कि अब मथुरा की बारी है। मथुरा को गरमाने की कोशिश क्यों की जा रही है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, शीतल पी सिंह, हरजिंदर, ममता त्रिपाठी, चिंतक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

प्रदेश में फिर सांप्रदायिक कार्ड खेल रही पार्टी

रविकांत ने कहा, भाजपा और आरएसएस ने इससे बहुत कुछ हासिल कर लिया। भाजपा धर्म और जाति के राजनीतिक समीकरण को साधकर यूपी चुनाव को जीतने की कोशिश कर रही है। सांप्रदायिकता भाजपा का बाहरी आवरण है और इसको काउंटर करने में विपक्ष लगा रहता है। हरजिंदर ने कहा, भाजपा के लिए राम मंदिर उपलब्धि है। अब वह नया मुद्दा खड़ा करना चाहती है। मथुरा उसके लिए बढ़िया मुद्दा हो सकता है। इसकी प्लॉनिंग की गई। भाजपा चुनाव को उसी दिशा में लेकर जा रही है जैसा वह चाहती है। भाजपा इसको 2024 तक पीक पर ले जाएगी। शीतल पी सिंह ने कहा, महंगाई, बेरोजगारी समेत तमाम मुद्दों को दरकिनार करने के लिए भाजपा यह दांव चल रही है। किसान आंदोलन से भी भाजपा सरकार बैकफुट पर है। ममता त्रिपाठी ने कहा, मथुरा का भाजपा का शो फ्लाप रहा है। भाजपा आईटी सेल सांप्रदायिकता को फैलाने में जुटी है। खुद योगी ही दंगों की बात कर रहे हैं। जनता समझ चुकी है कि इनके पास आम हितों की चिंता नहीं है। अशोक वानखेड़े ने कहा, भाजपा डर पैदा करना चाहती है। वे मथुरा और काशी को जिंदा रखना चाहती है। इसका कारण यह है कि इनके पास कहने को कुछ नहीं है। विकास की बात कर सत्ता में आए थे लेकिन कुछ नहीं किया।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

रैन बसेरों का डीएम स्वयं करें निरीक्षण : तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्य सचिव आरके तिवारी के निर्देश पर प्रदेश में आज विशेष सफाई अभियान शुरू हो गया है। यह अभियान हफ्ते भर तक चलेगा। विशेष सफाई अभियान की निगरानी मंडलायुक्त व डीएम के जिम्मे रहेगी। साथ ही साफ-सफाई पर भी प्रशासन जोर देगा। मुख्य सचिव आरके तिवारी ने वीसी के माध्यम से सभी मंडलायुक्त व डीएम को निर्देश दिए कि साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर तक चलने वाले इस विशेष स्वच्छता अभियान में सभी नगरीय निकाय व पंचायतें व्यापक रूप से सफाई का कार्य कराएं।

उन्होंने कहा सफाई अभियान में अनिवार्य रूप से सफाई के पूर्व और उसके बाद की फोटो जरूर खींची जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना के ओमिक्रोन वैरिएंट से बचाव के लिए सभी जरूरी उपाए किए जाएं। टीकाकरण अभियान में तेजी लाई जाए। सभी जिलों में 17 दिसंबर व 18 दिसंबर को माकड़िल की जाए। ताकि तैयारियों को ढंग से परखा जा सके। सभी डीएम माकड़िल के दौरान जरूर मौजूद रहें और मौका मुआयना करें। उन्होंने बेहतर ढंग से टीकाकरण अभियान चलाने के लिए शाहजहांपुर, इटावा, आजमगढ़ और गौतम बुद्ध नगर आदि जिलों की प्रशंसा की। ऑक्सीजन प्लांट में कम से कम दो शिक्षित तकनीकी स्टाफ की तैनाती अवश्य की जाए। सभी अस्पतालों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता की जाए। कोरोना से मृत लोगों के परिजनों को सहायता राशि देने में तत्परता दिखाई जाए। गोवंशीय आश्रय केन्द्रों का सत्यापन कराने के लिए टीमें गठित की जाएं। औचक निरीक्षक कर व्यवस्था का सत्यापन कराया जाए। ठंड के कारण किसी भी गोवंशीय की मृत्यु नहीं होनी चाहिए। वहीं रैन बसेरों का जिलाधिकारी स्वंय निरीक्षण करें। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना, स्मार्ट सिटी योजना व अमृत योजना आदि की भी समीक्षा की। बैठक में एसीएस हेल्थ अमित मोहन प्रसाद और एसीएस नगर विकास डॉ. रजनीश दुबे आदि मौजूद रहे।

मुख्य सचिव बोले- अभियान में सफाई के पूर्व और उसके बाद की फोटो जरूर खींची जाए

लोगों को भी जागरूक करें

मुख्य सचिव आरके तिवारी ने कहा अभियान के तहत लोगों को भी साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाने चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा लोगों को बताया जाएगा कि किस प्रकार वह अपने घर और आसपास साफ-सफाई रखकर विभिन्न बीमारियों और संक्रमण से बच सकते हैं।

पीएम से मुलाकात के बाद बोले केशव मौर्य

भाजपा के एजेंडे में गांवों का विकास सर्वप्रथम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद भवन में मुलाकात की है। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का गरीब कल्याण का एजेंडा है। गांव के विकास का एजेंडा है। भाजपा के एजेंडे में गांवों का विकास सर्वप्रथम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का भी पहला और अंतिम एजेंडा गांव का विकास और गरीबों के कल्याण का एजेंडा है। हम लोग चाहते हैं कि गरीबों का कल्याण हो, वे आगे बढ़ें।

पीएम ने किसानों की आय दोगुनी करने की कोशिश भी की। मथुरा पर पूछे गए सवाल को केशव प्रसाद मौर्य ने टालते हुए कहा कि हमको उसकी जानकारी नहीं है। वे मथुरा की तैयारी वाले बयान पर पलट गए, बात को ही अनसुना कर दिया। गौरतलब है कि यूपी चुनाव में बीजेपी ने हिंदुत्व की पिच पर उतरने की तैयारी कर ली है। इसके संकेत सूबे के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने दे दिया था। केशव मौर्य ने ट्वीट कर कहा था कि अयोध्या और काशी में भव्य मंदिर निर्माण जारी है और मथुरा की तैयारी है।

केशव प्रसाद मौर्य के इस बयान के बाद से अंदाजा लगाया जा रहा है कि बीजेपी एक बार फिर अयोध्या-मथुरा-काशी के एजेंडे के सहारे चुनावी नैया पार लगाना चाहती है। अयोध्या-काशी-मथुरा शुरू से ही बीजेपी के एजेंडे में शामिल रहा है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद और श्रीराम जन्मभूमि का विवाद रहा, जिस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला राम मंदिर के पक्ष में आ गया। इसके बाद से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है।

पीएम ने किसानों की आय दोगुनी करने की कोशिश की

शीत सत्र 15 दिसंबर को बुलाए जाने का प्रस्ताव

लखनऊ। कैबिनेट बाई सर्कुलेशन से विधानसभा का शीत सत्र 15 दिसंबर को बुलाए जाने का प्रस्ताव दिया है। इस दौरान योगी सरकार लेखा अनुदान लाएगी। यह लेखा अनुदान वित्तीय वर्ष 2022-23 के शुरुआती 4 महीने के लिए आएगा। दरअसल, देश की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले राज्य यूपी में विधानसभा चुनाव को लेकर जनीतिक हलचल तेज हो चुकी है। प्रदेश में यह चुनाव अगले साल 14 मार्च से पहले होने हैं। क्योंकि विधानसभा के गठन की तारीख 14 मार्च, 2022 है। इससे पहले चुनाव को संपन्न हो जाएंगे। माना जा रहा है कि दिसंबर के अंतिम सप्ताह में निर्वाचन आयोग चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। फिर इसके बाद पूरे प्रदेश में आचार संहिता भी लागू हो जाएगी। इसी के चलते विधानसभा के शीत सत्र में लेखा अनुदान पेश किया जाएगा।

गंगा किनारे शहरों से गिर रहे गंदे पानी पर सरकार पेश करें साइट प्लान : हाईकोर्ट

प्रयागराज और वाराणसी में गंगा किनारे अवैध निर्माण पर कोर्ट गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गंगा नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई की। उसने राज्य सरकार को गंगा किनारे बसे शहरों का साइट प्लान पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में करीब 1 हजार किलोमीटर लंबी गंगा के किनारे बसे 27 शहरों के दूषित गंदे पानी को गंगा में जाने से रोकने का प्लान बनाना चाहिए। तभी प्रदूषण खत्म होगा। कोर्ट ने कहा यह कोई एडवर्स लिटिगेशन नहीं है। सभी गंगा को स्वच्छ रखना चाहते हैं। जनता की भी उतनी ही भागीदारी है।

जनहित याचिका की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अजित कुमार की पूर्णपीठ कर रही है। अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी। अधिकतम बाढ़ बिंदु से 500 मीटर के अंदर निर्माण कार्य पर रोक है। इसके बावजूद अवैध निर्माण कार्य जारी है। इसको लेकर कोर्ट ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण को बेहतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने प्राधिकरण के हलफनामे को यह कहते हुए वापस कर दिया कि इसमें लगे फोटोग्राफ साफ पढ़ने में नहीं आ रहे हैं। इसके अलावा वाराणसी में गंगा पार नहर निर्माण और काशी विश्वनाथ कारीडोर निर्माण को भी कोर्ट ने गंभीरता से लिया। गंगा घाटों के खतरे और कछुआ सेंचुरी को लेकर न्यायमित्र ने याचिका दाखिल की है की आपत्ति को गंभीरता से लिया। कोर्ट ने कहा कि नेचुरल कछुआ सेंचुरी को शिफ्ट करने की कोशिश समझ से परे है। साथ ही कानपुर नगर, प्रयागराज और वाराणसी में नालों के बिना शोधित जल गंगा में जाने और प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल पर भी विचार किया गया। इससे पहले कोर्ट ने प्रयागराज में गंगा में गिर रहे नालों की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी थी।

नगर निगम लखनऊ : अब घर बैठे करा सकते हैं मकानों का ऑनलाइन नामांतरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मकान का नामांतरण के लिए आपको निगम कार्यालय जाने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे ऑनलाइन नामांतरण कर सकते हैं। यानी अब निगम के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके लिए आपको वेबसाइट imc.up.nic.in पर जाना होगा। इसके बाद आप्शन के अनुरूप आगे बढ़ते हुए घर बैठे नामांतरण करा सकते हैं।

पहले वेबसाइट पर जाकर हाउस म्युटेशन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद तीन आप्शन आएंगे, पहला न्यू म्युटेशन, दूसरा म्युटेशन स्टेटस और तीसरा वेरीफाई म्युटेशन में से न्यू म्युटेशन को क्लिक करना होगा। फिर इसके बाद विडो ओपेन होते ही मोबाइल नंबर, घर की आइडी और स्क्रीन पर दिए गए सिक्योरिटी पिन को डालना होगा। मोबाइल पर आई ओटीपी से आगे बढ़ना है। ओटीपी को वैलिडेट करने के पश्चात एक विंडो खुलेगी, जिसमें मकान की पूरा विवरण होगा। खुले आवेदन में नाम, पिता का नाम, मोबाइल नंबर, मेल आईडी और पत्राचार का पता लिखना होगा। कांबो बाक्स में म्युटेशन का कारण लिखना होगा। इसके बाद गणना किए गए म्युटेशन की फीस और दस्तावेत अपलोड करने होंगे। इसके बाद म्युटेशन की फीस की गणना हो जाएगी और फिर आवेदनकर्ता को अपना फोटो, आईडी प्रूफ जैसे आधार कार्ड व वोटर कार्ड, पैन कार्ड व शपथ पत्र अपलोड करना होगा। जनरेट म्युटेशन की बटन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद म्युटेशन नंबर मिल जाएगा।

निगम कार्यालय के चक्कर काटने से मिली मुक्ति

निगम के अधिकारी बताते हैं कि म्युटेशन नंबर संबंधित जोन के कर अधीक्षक की आईडी पर ऑनलाइन अग्रसारित हो जाएगा। कर अधीक्षक द्वारा वेरीफाई करने के उपरांत आवेदनकर्ता निर्धारित फीस ऑनलाइन जमा कर सकेगा। इसके बाद जारी नोटिस संबंधित जोनल अधिकारी की लागइन पर दिखेगी। 30 दिनों के अंदर जोनल अधिकारी द्वारा एप्रुवल दिया जाएगा। इसके बाद आवेदनकर्ता का नाम अभिलेखों में दर्ज करते हुए नया बिल प्रेषित कर दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।